

प्रेस विज्ञप्ति

डॉ. ज़ाकिर हुसैन लाइब्रेरी, जामिया ने स्कोपस कार्यशाला आयोजित की और लाइब्रेरी ब्रोशर का विमोचन किया

नई दिल्ली, 20 अगस्त, 2025

डॉ. ज़ाकिर हुसैन लाइब्रेरी, जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने एल्सेवियर के सहयोग से कल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय सभागार में स्कोपस-इंडेक्स जर्नल्स में प्रकाशन पर एक कार्यशाला का उद्घाटन किया। जामिया के संकाय सदस्यों और शोधकर्ताओं के लिए विशेष रूप से आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य शोध प्रकाशन कौशल को बढ़ाना और स्कोपस में सूचीबद्ध उच्च-प्रभावी पत्रिकाओं में शोध कार्यों को प्रभावी ढंग से प्रकाशित करने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करना था। कार्यशाला के लिए पंजीकृत 800 से अधिक संकाय सदस्यों और शोधार्थियों में से 500 से अधिक ने इसमें भाग लिया।

माननीय कुलपति, प्रो. मज़हर आसिफ़, मुख्य संरक्षक थे, जबकि जामिया के रजिस्ट्रार, प्रो. महताब आलम रिज़वी, कार्यशाला के संरक्षक थे।

इस कार्यक्रम में जामिया के रजिस्ट्रार प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिज़वी, जामिया की छात्र कल्याण डीन प्रो. नीलोफर अफजल, जामिया के शोध एवं नवाचार डीन प्रो. कफ़ील अहमद, जामिया के विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विकास एस. नागराले और एल्सेवियर से आमंत्रित रिसोर्स पर्सन डॉ. विनीता सरोहा और श्री रवींद्र कुमार गुप्ता उपस्थित थे। डीन, विभागाध्यक्ष, निदेशक, प्रोवोस्ट, मुख्य प्रॉक्टर सहित सभी गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ प्रतिष्ठित संकाय सदस्य और शोधकर्ता भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम की शुरुआत पवित्र कुरान की आयतों के पाठ और उसके अनुवाद के साथ हुई, जिसके बाद 'जामिया तराना' का भावपूर्ण गायन और अतिथियों का अभिनंदन किया गया। जामिया के रजिस्ट्रार प्रो. रिज़वी ने अपने संबोधन में इस बात पर ज़ोर दिया कि शोधकर्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले शोध करने और प्रतिष्ठित पत्रिकाओं और पुस्तकों में उसका प्रकाशन सुनिश्चित करने के बारे में पता होना चाहिए। उन्होंने अनुक्रमण के महत्व और प्लेगियरिज्म के गंभीर परिणामों की ओर ध्यान आकर्षित किया। इस बात पर ज़ोर देते हुए कि शैक्षणिक ईमानदारी, विश्वसनीयता और सत्यनिष्ठा सच्ची विद्वता की आधारशिला हैं, उन्होंने आग्रह किया कि इन मूल्यों से कभी समझौता नहीं किया जाना चाहिए, क्योंकि ये न केवल एक शोधकर्ता की क्षमता को दर्शाते हैं, बल्कि एक अच्छे इंसान के चरित्र को भी दर्शाते हैं। उन्होंने आलोचनात्मक सोच विकसित करने की आवश्यकता पर भी ज़ोर दिया, क्योंकि यह दिमाग को तेज़ करती है और शोध की गुणवत्ता को बढ़ाती है।

प्रारंभिक भाषण में, जामिया मिल्लिया इस्लामिया के विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. विकास एस. नागराले ने विश्वविद्यालय और डॉ. ज़ाकिर हुसैन पुस्तकालय के विकास में उनके अटूट समर्थन और उनके दूरदर्शी नेतृत्व के लिए माननीय कुलपति, जामिया मिल्लिया इस्लामिया, प्रो. मज़हर आसिफ़ के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। उन्होंने जामिया मिल्लिया इस्लामिया के रजिस्ट्रार प्रो. रिज़वी का भी गर्मजोशी से स्वागत किया और इस तरह की पहल करने के लिए पुस्तकालय में उनके अटूट विश्वास और पूरे आयोजन के दौरान तथा भविष्य के प्रयासों के लिए उनके अटूट समर्थन के लिए आभार व्यक्त किया।

विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष ने इस बात पर ज़ोर दिया कि यह कार्यशाला शोध संस्कृति को मज़बूत करने और छात्रों व शिक्षकों की शैक्षणिक आकांक्षाओं का समर्थन करने के लिए पुस्तकालय की चल रही पहलों का एक हिस्सा है। इस पहल से शोधकर्ताओं को प्रभावशाली प्रकाशन के लिए ज्ञान और उपकरण प्रदान करने में सक्षम होने की उम्मीद है, साथ ही जामिया मिल्लिया इस्लामिया में शैक्षणिक उत्कृष्टता के प्रति पुस्तकालय की प्रतिबद्धता भी प्रदर्शित होगी।

छात्र कल्याण संकायाध्यक्ष, प्रोफेसर नीलोफर अफजल ने अपने संबोधन में शोधकर्ताओं को सक्रिय रूप से जुड़ने और महत्वपूर्ण प्रश्न पूछने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे शोध और विद्वत्ता की एक ऐसी संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा जो जामिया के लिए एक मानक स्थापित करेगी।

कार्यक्रम के दौरान, डॉ. ज़ाकिर हुसैन पुस्तकालय के पुस्तकालय ब्रोशर का औपचारिक विमोचन किया गया। यह ब्रोशर पुस्तकालय संसाधनों, सेवाओं, सुविधाओं, डिजिटल पहलों और जामिया के शैक्षणिक समुदाय को प्रदान की जाने वाली शोध सहायता सेवाओं के बारे में व्यापक जानकारी प्रदान करता है।

डॉ. ज़ाकिर हुसैन पुस्तकालय, जामिया के सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, डॉ. संदीप शर्मा द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

एल्सेवियर की सुश्री विनीता सरोहा ने प्रकाशन परिणामों को बेहतर बनाने के लिए स्कोपस इंडेक्स जर्नल्स के चयन के तरीके पर प्रकाश डाला। उन्होंने शोधकर्ताओं की ज़रूरतों और प्रमुख शोध मानकों को समझना, शोध चुनौतियाँ, साहित्य सर्वेक्षण में सर्वोत्तम अभ्यास, स्कोपस किस प्रकार शोधकर्ताओं को अपने शोध कार्य को स्थापित करने में मदद कर सकता है, जैसे विषयों पर विचार-विमर्श किया और शोध में ज़िम्मेदार जनरल एआई के उपयोग पर भी ज़ोर दिया। श्री रवींद्र कुमार गुप्ता द्वारा लिया गया दूसरा तकनीकी सत्र रसायन विज्ञान, जीव विज्ञान और मेटेरिअल विज्ञान के विषयों के लिए एल्सेवियर के समाधानों पर केंद्रित था। उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके दस्तावेज़ खोज रणनीतियों पर भी विस्तार से चर्चा की।

इन तकनीकी सत्रों के बाद प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया। कार्यशाला में विभिन्न विषयों के स्कोलर्स और संकाय सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और शोध प्रकाशन में चुनौतियों और अवसरों पर संवादात्मक चर्चा की।

शोध एवं नवाचार के डीन, प्रो. कफील अहमद ने अपने समापन भाषण में शोध के क्षेत्र में बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की। उन्होंने इस अत्यंत आवश्यक प्रयास की शुरुआत के लिए विश्वविद्यालय के पुस्तकालयाध्यक्ष की सराहना की और इसे जामिया शोध समुदाय के लिए समयोचित और लाभकारी बताया। उन्होंने भविष्य में ऐसे और अधिक कार्यक्रम आयोजित करने के महत्व पर भी ज़ोर दिया, ताकि संकाय सदस्य और शोधार्थी, दोनों ही इन पहलों से लाभान्वित होते रहें।

कार्यक्रम का संचालन सहायक पुरालेखपाल डॉ. उमैमा ने सफलतापूर्वक किया और उप पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. सूफियान अहमद के धन्यवाद ज्ञापित किया गया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

प्रो. साइमा सईद
मुख्य जनसंपर्क अधिकारी